मन सीताराम सीताराम रट रे

मन सीताराम सीताराम रट रे,
थारा संकट जावे सब कट रे.....

हिरणाकश्यप ने बहुत रिझायो,
प्रहलाद जी को बहुत सतायो,
आये नृसिंह खम्भ गया फट रे,
मन सीताराम.....

द्रोपदी दुष्टों ने घेरी,
हरि आये नही करी है देरी,
हरी चीर में भया प्रगट रे,
मन सीताराम.....

राणे ने जहर भिजवायो,
मीरा कर चरणामृत लायो,
मीरा पी गई गट गट रे,
मन सीताराम.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/30661/title/man-sitaram-sitaram-rat-re

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |